पहाड़ों की ठंडक पर गर्मी की मार, 40 डिग्री तक पहुंचा तामिया का तापमान, कब तक कटते रहेंगे जंगल

तामिया में बढ़ती गर्मी ने बढ़ाई चिंता!

कटते जंगल और घटती हरियाली बने संकट का कारण

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया, बाबा ठाकुर/ मनीष गड़करी

देश भर के अनेक हिस्से इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं और तापमान लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। पहाड़ों और जंगलों के लिए प्रसिद्ध छिंदवाड़ा जिले का पर्यटन स्थल तामिया भी इस बार प्रचंड गर्मी से अछूता नहीं रहा। पिछले एक सप्ताह से पड़ रही तेज गर्मी ने स्थानीय लोगों के साथ-साथ यहां आने वाले पर्यटकों को भी परेशान कर दिया है। समुद्र तल से लगभग 3128 फीट की ऊंचाई पर स्थित तामिया अपनी ठंडी जलवायु, हरियाली और घने जंगलों के कारण हमेशा से गर्मी के मौसम में लोगों की पहली पसंद रहा है, लेकिन इस वर्ष यहां का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने से लोग हैरान हैं।

तामिया की पहचान उसकी हरी-भरी सरई की पहाड़ियों, घने जंगलों और प्राकृतिक सौंदर्य से रही है। गर्मियों में यहां का वातावरण सामान्यतः ठंडा और सुकून देने वाला रहता है। यही कारण है कि हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। छोटा महादेव, वल्चर पॉइंट, ग्वाल की पहाड़ी तथा तामिया स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस सैलानियों की सबसे पसंदीदा जगहों में शामिल हैं। इस बार पर्यटक तो पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें भीषण गर्मी

गंभीर नजर नहीं आ रहा विभाग

स्थानीय लोगों का मानना है कि तामिया में बढ़ती गर्मी का सबसे बड़ा कारण लगातार घटती हरियाली और तेजी से हो रहीं जंगलों की कटाई है। क्षेत्र के आसपास प्रतिदिन बड़ी संख्या में मध्यम आकार के सरई के पेड़ों की कटाई जलाऊ लकड़ी के नाम पर की जा रही है। वन भूमि से लगे कई घरों के पीछे कटे हुए पेड़ों की लकड़ियां साफ दिखाई देती हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर गंभीर नजर नहीं आ रहा। लोगों का आरोप है कि वन विभाग जंगलों को बचाने में अपेक्षित रुचि नहीं दिखा रहा, जिसका परिणाम अब बढ़ते तापमान के रूप में सामने आ रहा है।

250 से अधिक पेड़ बीमारी से ग्रसित

तामिया का सरई वन प्राकृतिक रूप से इस क्षेत्र को ठंडक प्रदान करता रहा है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में इन जंगलों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। एक ओर अवैध कटाई जारी है, तो दूसरी ओर सरई के पेड़ों में "साल बोरर" नामक कीट रोग तेजी से फैल रहा है। पिछले वर्ष इस बीमारी के कारण लगभग 300 पुराने और विशाल सरई के पेड़ों को काटना पड़ा था। इससे पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा। स्थिति इस वर्ष भी चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार 250 से अधिक सरई के पेड़ इस बीमारी से ग्रसित होकर सूखने लगे हैं। इन्हें चिन्हित तो कर लिया गया है, लेकिन अब तक इन्हें काटने या बीमारी की रोकथाम की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है।

निर्माण कार्यों में 500 पेड़ काटे जाने का अनुमान

केवल वन क्षेत्र ही नहीं, बल्कि निजी और शासकीय निर्माण कार्यों में भी बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार सांदीपानी स्कूल निर्माण के दौरान लगभग 50 पेड़ काटे गए। वहीं खेल परिसर में करीब 40 पुराने नीलगिरी के पेड़ों को भी हटाया गया। छात्रावास, मंगल भवन और अन्य निर्माण कार्यों में भी दर्जनों पेड़ों की बलि दी गई। अनुमान है कि विभिन्न निर्माण कार्यों में करीब 500 पेड़ काटे जा चुके हैं। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई का सीधा असर क्षेत्र के तापमान और पर्यावरणीय संतुलन पर पड़ना स्वाभाविक है।

पेड़ों की कटाई की अनुमति पर उठे सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या इन पेड़ों की कटाई के लिए नियमानुसार अनुमति ली गई थी? यदि नियमों का पालन किया जाता और पर्यावरणीय दृष्टि से उचित परीक्षण होता, तो संभवतः इनमें से कई पेड़ बचाए जा सकते थे। आरोप यह भी है कि संबंधित विभागों ने नियम-कायदों की अनदेखी कर केवल निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी और पेड़ों को बचाने की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं किए गए। यदि समय रहते साल बोरर बीमारी की रोकथाम की जाती, तो भी सैकड़ों पेड़ों को कटने से बचाया जा सकता था।विडंबना यह भी है कि हर वर्ष वर्षा ऋतु में वन विभाग और अन्य सरकारी संस्थाएं बड़े-बड़े वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करती हैं। समारोहपूर्वक हजारों पौधे लगाए जाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत में उनमें से बहुत कम पौधे जीवित बच पाते हैं। उचित देखरेख और संरक्षण के अभाव में अधिकांश पौधे कुछ ही महीनों में सूख जाते हैं। दूसरी ओर, बड़ी संख्या में पुराने और विशाल पेड़ लगातार काटे जा रहे हैं, जिससे पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ता जा रहा है।

पर्यावरण प्रेमी भी इस मुद्दे को लेकर नहीं है गंभीर

सोशल मीडिया पर स्वयं को पर्यावरण प्रेमी बताने वाले कई लोग भी इस मुद्दे पर खामोश नजर आ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि सच में पर्यावरण संरक्षण की चिंता होती, तो इतनी बड़ी संख्या में हो रही पेड़ों की कटाई के खिलाफ आवाज उठाई जाती। लेकिन कुछ लोग केवल औपचारिकता निभाते हुए सोशल मीडिया तक ही सीमित दिखाई देते हैं।तामिया जैसे प्राकृतिक और पर्यटन महत्व वाले क्षेत्र में बढ़ती गर्मी केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि पर्यावरणीय असंतुलन का गंभीर संकेत है। यदि समय रहते जंगलों की कटाई पर रोक नहीं लगी, बीमार पेड़ों का उपचार नहीं हुआ और वृक्षारोपण को केवल औपचारिकता की बजाय जिम्मेदारी के साथ नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में तामिया अपनी प्राकृतिक पहचान खो सकता है। जरूरत इस बात की है कि प्रशासन, वन विभाग, सामाजिक संगठन और स्थानीय नागरिक मिलकर जंगलों और पर्यावरण को बचाने की दिशा में ठोस कदम उठाएं।

गोपालपुर समिति में किसानों की तुलाई में शुल्क वसूला प्रबंधन बोले- बाद में राशि लौटाएंगे

किसान राहुल दुबे से सात सौ क्विंटल अनाज तुलाई में वसूले बारह हजार, शिकायत के बाद फूड विभाग करेगा कार्यवाही!

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

सेवा सहकारी समिति गोपालपुर में किसानों से तुलाई के नाम पर हजारों रुपए वसूले जाने का मामला अब पूरे जिले की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। आरोप है कि 17 रुपए प्रति बोरी और लगभग 34 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किसानों से राशि ली गई। एक किसान राहुल दुबे पिता रामगोपाल दुबे चौरई से लगभग 700 क्विंटल उपार्जन पर करीब 12 हजार रुपए तक वसूल लिए गए। किसानों

का कहना है कि यह सिर्फ गोपालपुर समिति की कहानी नहीं है, बल्कि जिले की अधिकतर समितियों में यही हाल है। समर्थन मूल्य पर फसल बेचने पहुंचे किसानों से तुलाई, हम्माली और अन्य नामों पर खुलेआम वसूली की जा रही है। मजबूर किसान अपनी मेहनत की कमाई बचाने के बजाय व्यवस्था की भूख मिटाने में लगा है।

जब मामले में समिति प्रबंधक विजय दुबे से बात की गई तो उन्होंने कहा कि समिति के पास रुपए नहीं थे, इसलिए किसानों से राशि ली गई, जिसे बाद में वापस कर दिया जाएगा। वहीं फूड विभाग के अधिकारी एन एस बरकडे ने जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की बात कही है। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर किसानों के नाम पर बनने वाली योजनाओं का लाभ किसे मिल रहा है। खेत में पसीना बहाने वाले किसान को या समितियों में बैठी व्यवस्था को? जिलेभर के किसान पूछ रहे हैं कि छिंदवाड़ा जिले की समितियों में चल रही इस कथित लूट पर आखिर कब जिले के कलेक्टर की नजर पड़ेगी? और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर ऐसी समितियों में कब उतरेगा, जहां किसान अपनी ही फसल बेचने के लिए लाचार होकर जेब से हजारों रुपए चुका रहे हैं। किसानों का कहना है कि अगर समय रहते जांच नहीं हुई तो यह मामला पूरे जिले में बड़ा आंदोलन बन सकता है और इसकी शिकायत प्रदेश लेवल के नेताओं और अधिकारियों से की जाएगी, क्योंकि वर्तमान सरकार किसानों के हितैषी होने का दावा तो कर रही है लेकिन समिति में बैठे अधिकारी कर्मचारी किसानों के हितों में सेंध लगाने से नहीं चूक रहे है।

चौरई तहसील में 'कमीशन राज' का आरोप

बिचौलियों के भरोसे चल रही व्यवस्था, आम जनता और किसान परेशान

काम के बदले मांगी जा रही 'सेवा शुल्क' की रकम

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौरई

चौरई अनुविभाग की तहसील इन दिनों आम जनता की सुविधा के बजाय कथित भ्रष्टाचार और बिचौलिया तंत्र को लेकर चर्चा का केंद्र बनी हुई है। तहसील परिसर में आने वाले किसानों, गरीबों और जरूरतमंद नागरिकों का आरोप है कि यहां बिना "कमीशन" के कोई भी काम समय पर नहीं होता। फाइलों की रफ्तार व्यवस्था नहीं, बल्कि कथित रूप से पैसों के हिसाब से तय होती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि तहसील परिसर में सक्रिय बिचौलियों ने पूरे सिस्टम पर पकड़ बना ली है। जैसे ही कोई व्यक्ति अपनी समस्या लेकर कार्यालय पहुंचता है, उससे पहले ही बिचौलिये संपर्क कर लेते हैं और काम जल्दी कराने के नाम पर रकम तय करने लगते हैं। आरोप है कि बिना पैसे दिए फाइलें दिनों तक एक टेबल से दूसरी टेबल तक घूमती रहती हैं, जबकि "सेवा शुल्क" मिलते ही वही काम तेजी से पूरा हो जाता है। सबसे अधिक परेशानी किसानों और ग्रामीण नागरिकों को उठानी पड़ रही है। नामांतरण, सीमांकन, आय-जाति प्रमाण पत्र, भूमि संबंधी दस्तावेज और अन्य राजस्व मामलों में लोगों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कई बुजुर्ग और गरीब नागरिक आर्थिक तंगी के बावजूद मजबूरी में बिचौलियों का

सहारा लेने को विवश हैं।

तहसील परिसर में खुलेआम घूम रहे कथित दलालों की सक्रियता प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही है। लोगों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति सीधे अधिकारी या कर्मचारियों से काम कराने की कोशिश करता है, तो उसकी फाइल लंबे समय तक लंबित रखी जाती है। वहीं, बिचौलियों के माध्यम से पहुंचने वाले मामलों में तेजी दिखाई जाती है। इससे आम नागरिकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।क्षेत्र के सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों ने भी इस व्यवस्था पर चिंता जताई है।

उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर कार्रवाई नहीं हुई, तो आम जनता का प्रशासन से विश्वास उठ जाएगा। लोगों ने मांग की है कि तहसील परिसर में सक्रिय बिचौलियों पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा सभी कार्यों की पारदर्शी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

नागरिकों ने प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन से मामले का संज्ञान लेने की मांग करते हुए दोषी कर्मचारियों एवं दलालों पर सख्त कार्रवाई की अपील की है। साथ ही तहसील कार्यालय में ऐसी व्यवस्था लागू करने की मांग उठाई गई है, जिससे आम जनता को बिना किसी दबाव और अतिरिक्त भुगतान के समय पर न्याय और सुविधाएं मिल सकें।

चौरई तहसील को लेकर उठ रहे ये सवाल अब प्रशासनिक कार्यप्रणाली और सुशासन के दावों पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। अब देखना होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में क्या कदम उठाते हैं और आम जनता को राहत कब तक मिल पाती है।

ग्रामीण जन पहुंचे अम्बाड़ा उपक्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय, दिया धरना, किया विरोध प्रदर्शन

गुढ़ी अंबाड़ा। वेकोलि प्रबंधन के द्वारा बंद अंबा माईंस से निस्तार का पानी सप्लाई किए जाने के लिए विगत कई वर्ष पूर्व डाली गई पुरानी पाइप लाइन को अब बंद किए जाने के विरोध में ग्रामीण जन पहुंचे अम्बाड़ा उपक्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय एवं विरोध दर्ज कराते हुए प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की एवं लेबर ऑफिसर कृष्णा दुबे को ज्ञापन सौंपकर पुरानी पाईपलाईन को ना उखाड़ने एवं निस्तार के पानी की समस्या का समाधान किए जाने की मांग की है।गौरतलब है कि उपक्षेत्र अबाड़ा के अंतर्गत आने वाली बंद अंबा ओपन कास्ट माइंस में एकत्रित पानी को पाइपलाइन के माध्यम से वेकोलि कर्मचारी व ग्रामीण जनों को सप्लाई किया जाता है इस पाईप लाईन से अंबाड़ा पिट, मस्जिद दफाई सहित अन्य वार्ड क्षेत्रों के ग्रामीणों को निस्तार का पानी उपलब्ध हो पाता है। लेकिन जानकारी के अनुसार जो पुरानी पाइपलाइन बिछी हुई है उस पुरानी पाइपलाइन को उखाड़ने व बंद किए जाने की प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी मिलते ही और दूसरी जगह से नई पाइपलाइन डाले जाने की जानकारी लगते ही अंबाड़ा के अधिकतर वार्ड क्षेत्र के ग्रामीणजन उपक्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय अंबाड़ा पहुंचे एवं वेकोलि प्रबंधन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया एवं जमकर नारेबाजी की एवं धरना प्रदर्शन किया। इस अवसर पर परासिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व सरपंच कमल राय, खालिद खान (राजा), दुर्गेश पिंटू श्रीवास्तव, मोहम्मद हनीफ (मुन्ना), बृजेश कैथवास, मोहम्मद जिब्राइल, इरफान मामू, मट्टू साहू, सहित बड़ी संख्या में वार्ड की महिलाएं व ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

सौंसर पहुंचे राज्यपाल मंगुभाई पटेल, जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना

पीएम आवास एवं आयुष्मान योजना को बताया आमजन के लिए वरदान: राज्यपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

राज्यपाल मंगुभाई पटेल के पांढुर्णा जिले के सौंसर स्थित सावली हवाईपट्टी पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। राज्यपाल मंगु भाई पटेल के आगमन के दौरान पूरे परिसर में उत्साह एवं गर्मजोशी का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर पूर्व मंत्री नाना मोहोड़, कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ एवं पुलिस अधीक्षक प्रकाश चंद्र परिहार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। राज्यपाल श्री पटेल का खुटामा में भी आत्मीय स्वागत किया गया,

जहां उनके सम्मान में भोज कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री नीरज कुमार वशिष्ठ द्वारा राज्यपाल श्री पटेल को जामसांवली के प्रसिद्ध श्री हनुमान मंदिर की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने विभिन्न हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी भी ली। कार्यक्रम में आदिवासी लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक लोक नृत्य एवं गीतों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनकी राज्यपाल श्री पटेल ने विशेष सराहना की।

गंभीर बीमारियों के उपचार में लोगों को मिल रही राहत

अपने संबोधन में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार आवास, आरोग्य एवं अन्य योजनाओं के माध्यम से आमजन के हित में बेहतर कार्य कर रही है। उन्होंने आयुष्मान योजना को प्रत्येक वर्ग के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण योजना बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से गंभीर बीमारियों के उपचार में लोगों को बड़ी राहत मिल रही है। साथ ही 70 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति को भी योजना का सीधा लाभ मिल रहा है। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस योजना से जरूरतमंद परिवारों का पक्के मकान का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान परिवारों से मुलाकात में लोग बताते हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना के कारण उन्हें अपना पक्का घर प्राप्त हुआ है। उन्होंने सिकलसेल बीमारी की जांच एवं उपचार के लिए शासन-प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि नया जिला होने के बावजूद पांढुर्णा जिला जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं विकास कार्यों में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। अंत में उन्होंने जिलेवासियों के स्वस्थ एवं निरोगी रहने की कामना की। कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक बंटी साहू, विधायक श्री विजय चौरे, विधायक नीलेश उईके सहित कई जनप्रतिनिधि मंचासीन रहे। परिचय के दौरान राज्यपाल ने सांसद श्री विवेक बंटी साहू के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर जनता के बीच सक्रिय रहते हैं तथा शिविरों एवं यात्राओं के माध्यम से लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा (म.प्र.)

शुक्ला ग्राउण्ड के पास वार्ड नं. 39 छिंदवाड़ा 480001
दूरभाष एवं फैक्स नंबर:-07162-222346
ई-मेल:- commchhindwara@mpurban.gov.in
commissioner.chhindwara.mpurban@gmail.com
बेबसाईट:- chhindwaranagarnigam.com

क्रमांक/ 957/लोनिवि/नपानि/2026-27 **- द्वितीय निविदा सूचना-** छिन्दवाड़ा दिनांक 20/5/26

एतद् द्वारा शासकीय विभागों के उपयुक्त तथा सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	लागत राशि कार्य की समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_484010_2 Dated 21/05/2026	वार्ड क्र. 25 तारा कॉलोनी में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	1- 1133244 2- 5 माह	1- 2000 2- 10000	05/06/26

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री नगरपालिक निगम, छिंदवाड़ा

तामिया में युवा कांग्रेस ने किया केंद्रीय शिक्षामंत्री प्रधान का पुतला दहन

नीट पेपर लीक मामले पर युवाओं का फूटा आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

देशभर में चर्चित नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर ब्लॉक युवा कांग्रेस तामिया द्वारा केंद्र सरकार एवं शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बस स्टैंड तामिया में केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर केंद्र सरकार की शिक्षा व्यवस्था एवं कार्यप्रणाली के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेताओं एवं युवा कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होना केंद्र सरकार की घोर विफलता एवं शिक्षा मंत्रालय की अकर्मण्यता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। लाखों छात्र-छात्राएँ वर्षों तक कठिन परिश्रम कर अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए इस परीक्षा की तैयारी करते हैं, किंतु सरकार की लापरवाही के कारण उनका भविष्य संकट में पड़ गया है।वक्ताओं ने कहा कि यह केवल एक परीक्षा में हुई अनियमितता नहीं, बल्कि देश की शिक्षा प्रणाली एवं युवाओं के विश्वास पर सीधा हमला है। केंद्र सरकार हर बार की तरह कुछ गिरफ्तारियाँ कर मामले को दबाने का प्रयास कर रही है, जबकि इस पूरे प्रकरण की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षामंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश का युवा आज स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। केंद्र सरकार युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। कांग्रेस पार्टी युवाओं के अधिकारों एवं उनके भविष्य की लड़ाई लगातार सड़क से सदन तक लड़ती रहेगी।

घर भी बचेंगे, विकास भी होगा रेलवे अंडरपास निर्माण को लेकर सांसद ने दिलाया भरोसा

चौरई। नगर के अमरवाड़ा रोड स्थित रेलवे अंडरपास निर्माण कार्य को लेकर बुधवार को रेलवे विभाग की टीम ने स्थल पर पहुंचकर नाप-जोख एवं प्रारंभिक सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण के दौरान यह आशंका व्यक्त की गई कि प्रस्तावित अंडरपास निर्माण की जद में आने से वार्ड क्रमांक 06 एवं 07 के लगभग 30 से 40 मकान प्रभावित हो सकते हैं। इस संभावना के सामने आने के बाद क्षेत्र के रहवासियों में चिंता और असमंजस की स्थिति निर्मित हो गई मामले की गंभीरता को देखते हुए भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मदन राय तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थानीय नागरिकों से चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं आशंकाओं को गंभीरता से सुना। इसके बाद उन्होंने सांसद विवेक बंटी साहू से दूरभाष पर चर्चा कर पूरे घटनाक्रम एवं क्षेत्र की वास्तविक स्थिति से विस्तारपूर्वक अवगत करायास्थिति की जानकारी मिलते ही सांसद विवेक बंटी साहू ने नागरिकों को आश्वस्त करते हुए स्पष्ट कहा कि किसी भी गरीब एवं आम परिवार के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्य जनहित में आवश्यक हैं, लेकिन किसी भी परिवार को अनावश्यक नुकसान पहुंचाकर विकास नहीं किया जा सकता। सांसद ने भरोसा दिलाया कि जनभावनाओं और नागरिकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी तथा ऐसा समाधान निकाला जाएगा जिससे विकास कार्य भी हो और किसी का आशियाना भी प्रभावित न हो सांसद ने तत्काल संबंधित विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर मौके का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इसके बाद बिलासपुर जोन से आए रेलवे अधिकारियों, चौरई तहसीलदार तथा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मदन राय ने स्थल का निरीक्षण कर स्थानीय नागरिकों से संवाद किया। अधिकारियों ने लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी चिंताओं को गंभीरता से लिया जा रहा है तथा जल्द ही सभी पहलुओं का परीक्षण कर व्यवहारिक एवं जनहितकारी समाधान निकाला जाएगा।

श्री बड़ी माता मंदिर में पुष्य नक्षत्र के शुभ अवसर पर कन्या पूजन एवं उपहार योजना का शुभारंभ

छिंदवाड़ा। सांस्कृतिक एवं धार्मिक धरोहर के रूप में प्रसिद्ध छोटी बाजार स्थित श्री बड़ी माता मंदिर, छिंदवाड़ा जिले की एक विशेष पहचान बना हुआ है। आज पुष्य नक्षत्र के शुभ अवसर पर प्रातः 8:30 बजे श्री बड़ी माता मंदिर के स्वयंभू गर्भगृह में माता रानी का विशेष पूजन-अर्चन एवं पाठ संपन्न किया गया। इस विशेष पूजन कार्यक्रम में मंदिर ट्रस्ट के प्रधान पुजारी एवं वेदाचार्य ब्राह्मण श्री रूपेश तिवारी जी के सान्निध्य में मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष श्री संतोष सोनी, द्वारा विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया गया। इस अवसर पर श्री बड़ी माताजी की भाग्यशाली भक्त उपहार योजना की सफलता एवं जनकल्याण की कामना की गई। इसी शुभ अवसर पर उपहार योजना के प्रथम कूपन का पंजीयन भी किया गया। 8 वर्षीय श्री दर्शनी ठाकुर ने अपने जन्मदिन के शुभ अवसर पर योजना में सहभागिता करते हुए प्रथम कूपन रसीद प्राप्त की। इसके साथ ही योजना के पंजीयन की प्रक्रिया विधिवत प्रारंभ हो चुकी है। मंदिर ट्रस्ट द्वारा समस्त भक्तजनों से इस पुण्य कार्य में अपनी सहभागिता निभाने एवं "छोटी सी गिलहरी" के समान सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया है। इस राशि से लाखों के इनामों का वितरण सहित , करोड़ों के मंदिर नवनिर्माण में लगाई जाएगी। इच्छुक भक्तजन मंदिर ट्रस्ट के अधिकृत सदस्यों से संपर्क कर योजना हेतु पंजीयन करवा सकते हैं, जिससे माताराणी के आशीर्वाद स्वरूप यह योजना सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

छात्र छात्राओं ने की ऑन जॉब ट्रेनिंग

जुन्नारदेव। नगर के शासकीय श्री नंदलाल सूद उत्कृष्ट विद्यालय जुन्नारदेव के आई टी एवम हेल्थकेयर के छात्र छात्राओ ने 20 दिवसीय ऑन जॉब ट्रेनिंग प्रशिक्षण आई वी डी केंद्र जुन्नारदेव एवम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जुन्नारदेव मे प्राप्त किया इस प्रशिक्षण के दौरान छात्र छात्राओ ने कंप्यूटर एवम चिकित्सा के क्षेत्र मे किये जाने वाले विभिन्न कार्यो को सीखा 20 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन आज किया गया समापन समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं ने केंद्र के द्वारा दी गई ट्रेनिंग के दौरान प्राप्त अपने अनुभव सभी के समक्ष रखें ट्रेनिंग में विद्यार्थियों को बहुत से कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण दिया गया ट्रेनिंग विद्यालय प्राचार्य सी एस दीक्षित के मार्गदर्शन में वोकेशनल ट्रेनर अभय दुबे एवं सीमा बघेले की उपस्थिति में संपन्न हुआ जिसमें आईवीडी मैनेजर अतुल कुमार विश्वकर्मा कोऑर्डिनेटर अरुण साहू सीटीएल ट्रेनर राज स्वामी शुक्ला सलाहकार दिवाकर झरबडे तथा समस्त आईवीडी जुन्नारदेव की टीम का पूर्ण सहयोग रहा आईवीडी द्वारा इच्छुक छात्र-छात्राओं को अपनी ट्रेनिंग जारी रखने हेतु प्रेरित किया गया एवं आई वी डी केंद्र के हेड ऑफिस दिल्ली की ओर से ट्रेनिंग को 10 दिन और बढ़ाया गया इसके उपरांत सभी छात्राओं को सर्टिफिकेट प्रदान करने का विचार रखा गया वही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संचालित हेल्थ केयर पाठ्यक्रम के छात्राओं ने बीएमओ डॉक्टर सुरेश नागवंशी के मार्गदर्शन में चिकित्सा संबंधी विभिन्न जानकारियां प्राप्त की यह प्रशिक्षण वोकेशनल ट्रेनर सीमा बघेले की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

समर कैंप के दौरान स्वच्छता का अनोखा संदेश, खिलाड़ियों को किया जागरूक

जुन्नारदेव। बीते दिनों स्वच्छता के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से आई मार्शल आर्ट्स स्पोर्ट्स अकादमी, जुन्नारदेव में आयोजित समर कैंप के दौरान खिलाड़ियों के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमति नेहा धुर्वे के मार्गदर्शन में की गई। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, मार्शल आर्ट कोच एवं जुन्नारदेव नगर पालिका के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर योगेश रुखमांगद भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को स्वच्छता का महत्व समझाते हुए प्रेरित किया कि वे अपने दैनिक जीवन में प्रतिदिन स्वच्छता को अपनाएं और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करें।इस दौरान भोपाल से पधारी टीम ने नुक्कड़ नाटक, कठपुतली शो, संगीत एवं नृत्य के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया। मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षाप्रद प्रस्तुतियों ने खिलाड़ियों को आकर्षित किया और उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। खेल-खेल और हंसी-मजाक के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई।कार्यक्रम में नगर पालिका की स्वच्छता टीम भी उपस्थित रही। साथ ही मध्य प्रदेश शासन की स्वच्छता योजना के तहत भोपाल से आई ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।कार्यक्रम के अंत में सभी खिलाड़ियों ने स्वच्छता बनाए रखने और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ स्वच्छ भारत के लक्ष्य को साकार करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

अधिवक्ता को धमकी मामले में युवती ने एसपी से की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

अधिवक्ता को गाली - गलौच करने और धमकाने के मामले में एक नया मोड़ आया है । जिस युवती के सन्दर्भ में यह मामला गरमाया है , उसी युवती ने पुलिस अधीक्षक (एस पी) से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है ।परासिया क्षेत्र में अधिवक्ता धमकी मामले में जुड़ी युवती ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है ।

युवती का कहना है , कि उसका नाम और पहचान सार्वजनिक कर सोशल मीडिया तथा प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उसे बदनाम किया जा रहा है , जिससे उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा और भविष्य पर गहरा असर पड़ रहा है ।जानकारी के अनुसार चांदामेटा निवासी 23 वर्षीय युवती वर्तमान में भोपाल में रहकर नौकरी एवं पढ़ाई कर रही है । युवती ने एसपी को सौंपे आवेदन में बताया , कि उसकी पहचान क्षेत्र के एक युवक से पारिवारिक संबंधों के कारण थी । इसी बीच कुछ लोगों ने आपसी विवाद में उसे मोहरा बनाकर एक युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने का दबाव बनाया ।युवती ने आरोप लगाया कि आरोपियों द्वारा फोन कर उससे कथित रूप से झूठी रिपोर्ट लिखवाने की बात कही गई और बदले में बड़ी रकम दिलाने का लालच भी दिया गया । जब उसने इस बात से इनकार किया तो उसे और उसके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई । आवेदन में युवती ने यह भी आरोप लगाया है , कि बाद में उसके नाम का दुरुपयोग करते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई और सोशल मीडिया पर उसे कतिथ पीड़िता बताकर उसकी निजी जानकारी सार्वजनिक कर दी गई । युवती का कहना है , कि उसका मोबाइल नंबर , नाम और पारिवारिक जानकारी वायरल होने से उसे लगातार अनजान नंबरों से फोन आ रहे हैं और उसकी छबि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है ।युवती ने साफ तौर पर कहा है, कि उसने किसी अधिवक्ता को अपना पक्ष रखने के लिए अधिकृत नहीं किया था और न ही किसी प्रकार की रिकॉर्डिंग या बयान सार्वजनिक करने की अनुमति दी थी ।

आरोपी युवक पर लगे आरोप निराधार

ईधर अधिवक्ता की शिकायत पर मामला दर्ज होने के बाद आरोपी युवक के पिता ने युवक पर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है । युवक के पिता का कहना है , कि वह लंबे समय से कुछ लोगों के निशाने पर है । उस से एक बड़ी रकम निकलवाने के लिए तरह - तरह के षड़यंत्र रचे जा रहे हैं । जब बात नहीं बनी तो उसके बेटे को निशाना बनाया गया है । जिस ऑडिओ क्लिप को आधार बनाकर मामला बनाया गया है , उसकी प्रमाणिकता की पुष्टी भी नहीं की गई है ।

एसडीएम ने ली प्राचार्यों की बैठक हुई समीक्षा, दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

गुरुवार 21 मई को परासिया एस डी एम शुभम यादव ने प्राचार्यों की बैठक ली । बैठक में 10 वीं , 12 वीं के परीक्षा परिणामों की समीक्षा हुई । छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रशिक्षण को लेकर चर्चा हुई । निर्देश दिए गए और प्राचार्यों से सुझाव भी लिए गए ।जनपद सभाकक्ष परासिया में हुई इस बैठक में अनुविभागीय अधिकारी शिवम यादव के द्वारा विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्रीराम धुर्वे , बीआरसी श्याम कुमार गुन्हारे की उपस्थिति में विकास खंड परासिया अंतर्गत आने वाले समस्त प्राचार्य एवं बीआरसी कार्यालय के समस्त स्टाफ के साथ शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया । जिसमें कक्षा दसवीं , बारहवीं के परीक्षा परिणाम की शालावार समीक्षा की गई । कक्षा बारहवीं के विद्यार्थीयों के लिए जी , नीट , CUT एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा के बच्चों को तैयार करने के निर्देश के साथ ही एस डी एम ने ऐसे बच्चों की हर संभव मदद देने के लिए आश्वस्त किया ।

राजीव गांधी को किया याद , दी श्रद्धांजलि

परासिया :- संचार क्रान्ति के अग्रदूत पूर्व प्रधान मन्त्री स्वर्गीय राजीव गाँधी को ब्लाक काँग्रेस कमेटी ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया । श्रद्धांजलि सभा में दीप जला कर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया । ब्लाक अध्यक्ष कमल राय ने राजीव गांधी के कार्यो एवं उनकी जीवनी का स्मरण किया । कार्यक्रम में कमल राय ब्लाक अध्यक्ष , बसन्त मालवी समन्वयक , सुनील जायसवाल , देवीराम विश्वकर्मा , सुरेश डेहरिया , शंकर लाल साहू , मजीद खान , जाहिद खान , समुन्दर केथवास , अशोक डेहरिया , सुरेश जावरकर , प्रतिभा सोनी , मनीष वैन , शैफ खान प्रवक्ता स्वप्निल करानिया , मिलाप मालवी एवं उरधन के वरिष्ठ साथीगण शिव कुमार तुमड़ाम , मनीष कवरेती , सावन कवरेती , कुँवर शाह कवरेती , गोविन्द धुर्वे , आतिश तुमड़ाम , भानु प्रताप कवरेती , मूलचन्द धुर्वे एवं काँग्रेस के पदाधिकारी उपस्थित थे ।

कोयलारी में ट्रैक्टर की चपेट में आने से मोटर साइकिल चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज कटंगी। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम कोयलारी में बुधवार 20 मई की दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। ग्राम पंचायत भवन के सामने मोटरसाइकिल और ट्रैक्टर की टक्कर में मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार कुरई थाना क्षेत्र के ग्राम पिण्डरई निवासी दिनेश पिता जीवनलाल धारणकर (उम्र 40 वर्ष) किसी काम से कटंगी आ रहे थे। दोपहर में जब वे कोयलारी पहुंचे, तभी ग्राम पंचायत भवन के सामने कोयलारी निवासी धनराज परते के स्वराज ट्रैक्टर ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दिनेश गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए तुमसर ले जाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही तिरोड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच विवेचना शुरू कर दी है। ट्रैक्टर चालक की भूमिका और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। गुरुवार 21 मई की सुबह साढ़े 11 बजे कटंगी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। परिजनों ने बताया कि दिनेश किसी निजी काम से कटंगी जा रहे थे। हादसे की खबर से परिवार गहरे सदमे में है। दिनेश धारनकर अपने पीछे दो पुत्रों को छोड़ गए हैं। परिवार अचानक हुए इस हादसे से टूट गया है। कोयलारी के ग्रामीणों ने कहा कि मुख्य सड़क मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करने की मांग की है।

महिला थाना बालाघाट की बड़ी कार्रवाई

40 वर्षीय महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज कटंगी। कटंगी शहर की एक 40 वर्षीय महिला की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने उमरी निवासी साजिद पिता शरीफ खान (उम्र 31 वर्ष) के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ता ने आरोप लगाया कि आरोपी पिछले लगभग 10 वर्षों से उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। 20 मई को पीड़ता ने साहस दिखाते हुए महिला थाना बालाघाट में एफआईआर दर्ज करवाई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 69, 115 (2), 296 (बी), 351(3) तथा मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3/5 के तहत कार्रवाई की। इन धाराओं के तहत आरोपी पर यौन शोषण, धोखे से संबंध बनाना, धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन और दीर्घकालीन उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। महिला थाना प्रभारी ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में जांच शुरू की और उसी रात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। 21 मई की सुबह करीब साढ़े 9 बजे पुलिस आरोपी को कटंगी लेकर पहुंची। थाना परिसर से पैदल ही आरोपी को घटनास्थल तक ले जाया गया। इस दौरान नागरिकों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। लोग आरोपी को इस तरह खुलेआम पैदल ले जाते देख हैरान थे और मामले पर अपनी-अपनी राय व्यक्त कर रहे थे। कटंगी थाना प्रभारी धमेन्द्र कुसराम ने बताया कि आरोपी ने पीड़ता के साथ लंबे समय तक संबंध बनाए रखे। इसके अलावा उसने एक अन्य युवती को भी प्रेमजाल में फंसाकर विवाह की तैयारी की थी। लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

गौरतलब हो कि पीड़ता ने महिला थाने में शिकायत करने से पूर्व एक बाद कटंगी थाने में भी आरोपी के खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज करवाई थी। हालांकि बाद में मामला शांत हुआ किंतु आरोपी के द्वारा इस बीच अन्य युवती को अपने प्रेमजाल में फंसाकर विवाह करने की तैयारी में था। इस बीच आरोपी के खिलाफ महिला थाने में शिकायत दर्ज हुई और पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

कटंगी-सिवनी मार्ग पर पिकअप वाहन चालक से मारपीट

पुलिस ने दो नामजद आरोपियों पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज कटंगी। कटंगी-सिवनी मुख्य मार्ग पर ग्राम खमरिया के पास बुधवार देर रात करीब साढ़े 12 एक पिकअप वाहन चालक और उसके परिचालक पर आधा दर्जन युवकों ने हमला कर दिया। घटना में वाहन चालक को चोटें आईं और वाहन में भी तोड़फोड़ की गई। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर दो आरोपियों को नामजद किया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। थोक सब्जी व्यापारी भागचंद परिहार के स्वामित्व वाला पिकअप वाहन क्रमांक एमएच 49 बीजेड 9630 सब्जी लेने के लिए छिंदवाड़ा गया था। वाहन चालक रोहित बंशपाल अपने भाई राहुल बंशपाल के साथ रात करीब साढ़े 12 बजे लौट रहा था। ग्राम खमरिया के पास पीछे से आ रही एक कार ने पिकअप वाहन को ओवरटेक कर सामने रोक दिया। कार में सवार करीब छह युवक बाहर निकले और चालक को गाड़ी चलाने की क्षमता पर ताने कसते हुए मारपीट करने लगे। उन्होंने वाहन में भी तोड़फोड़ की। घटना के बाद घायल चालक ने वाहन मालिक को सूचना दी और तुरंत डायल 112 पर कॉल किया। पुलिस मौके पर पहुंची और रात में ही थाने जाकर शिकायत दर्ज की गई।

चालक रोहित ने बताया कि वह दो हमलावरों को पहचानता है। उन्होंने मारपीट की उसमें वैभव श्रीवास और अनुराग तिवारी शामिल है। पुलिस ने इन दोनों के खिलाफ नामजद अपराध पंजीबद्ध किया है। अन्य आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता 2023 धारा 126 (2), 296 (ए), 115 (2), 324 (2), 3/5 की कार्रवाई की है। यह धाराएं सार्वजनिक मार्ग अवरोधन और यातायात बाधित करने, सामूहिक उपद्रव और अशांति फैलाने, जानबूझकर चोट पहुँचाने का प्रयास, मारपीट कर चोट पहुँचाना और संपत्ति को नुकसान पहुँचाने से जुड़ी हुई है। वाहन मालिक भागचंद परिहार ने गुरुवार 21 मई की सुबह 11 बजे चर्चा करते हुए बताया कि चालक रोहित ने रात में ही उन्हें फोन कर घटना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह हमला पूरी तरह से योजनाबद्ध प्रतीत होता है और व्यापारियों में भय का माहौल बना हुआ है।

मानसिक अस्वस्थता ने फिर ली जान : बंद राइस मिल में फंदे पर लटका मिला युवक, गांव में पसरा मातम

हरिभूमि न्यूज लांजी।

थाना लांजी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पालडोंगरी में एक दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। मानसिक रूप से बीमार चल रहे एक युवक द्वारा फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर लेने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम पालडोंगरी निवासी मृतक के भाई ने बताया कि उसका छोटा भाई सुनील उमरे पिछले लगभग तीन वर्षों से मानसिक रूप से अस्वस्थ था और उसका उपचार गोंदिया स्थित एक अस्पताल में चल रहा था। मानसिक स्थिति बिगड़ने के कारण वह कई बार असामान्य व्यवहार करता था तथा पूर्व में भी आत्महत्या के प्रयास कर चुका था, जिससे परिजन लगातार उसकी निगरानी में रहते थे।

21 मई की सुबह करीब 5 बजे सुनील उमरे यह कहकर घर से निकला कि वह खेत जा रहा है। लेकिन जब वह काफी समय तक वापस नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद उसके भतीजे अंकित उमरे और एक अन्य व्यक्ति बली के साथ मिलकर उसकी तलाश शुरू की गई। खोजबीन के दौरान वे खेत के पास स्थित पुराने बंद पड़े राइस मिल पहुंचे।वहां पहुंचने पर राइस मिल का दरवाजा अंदर से बंद मिला, जिससे संदेह और गहरा गया। छोटे दरवाजे से अंदर झांकने पर तीसरे कमरे में सुनील उमरे फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। परिजनों ने तत्काल उसे नीचे उतारकर जांच की, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना की सूचना तत्काल परिवार को दी गई और बाद में परिजन थाने पहुंचे। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में इसे आत्महत्या का मामला माना है तथा किसी प्रकार की शंका नहीं जताई गई है। थाना लांजी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है तथा मामले की जानकारी एसडीएम लांजी को भेज दी गई है। घटना के बाद से गांव में शोक का माहौल व्याप्त है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नालियों की सफाई, सडक़ निर्माण व अन्य समस्यायें भी आई सामने

गुम नाले को खुलवाने की मॉग लेकर वार्ड नम्बर 7 के नागरिकगण पहुंचे

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। नगरपालिका परिषद वारासिवनी में जन सुनवाई का आयोजन किया गया। जिसमें नागरिकों की समस्याओं को नगरपालिका अध्यक्ष सरिता मनोज दांदरे व पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल द्वारा सुना गया। उसके बाद अधिकारियों को उन समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

इस जन सुनवाई में वार्ड नम्बर 1 में स्थित मिश्रा नगर केनिवासियों ने गली नम्बर एक की लगभग 150 मीटर कच्ची सडक़ को पक्की सडक़ में परिवर्तित कराने का कार्य प्राथमिकता के साथ करवाने का निवेदन किया। वार्ड नम्बर 7 लालबर्रा रोड के निवासी विजय सिंह बिसेन, विक्की दलवानी, जगदीश सालवानी, संजय सहजवानी ने वार्ड में बरसात का पानी भरने की शिकायत करते हुए बताया कि बरसात का पानी 12 फीट के नाले से होकर निकलता था, लेकिन अब नाला गुम हो चुका है, उसके ऊपर सडक़ बनाकर उसे बंद कर दिया गया है। अगर बरसात के पहले इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो जल भराव की स्थिति का पुनः सामना करना पड़ेगा। जिससे बरसात का पानी वार्ड के घरों में घुस जायेगा। शिकायत के बाद उसके समाधान के लिए नाले की तलाशी के लिए नगरपालिका व राजस्व विभाग का रिकार्ड देखने के निर्देश दिए गए।

इस दौरान विजय सिंह बिसेन ने शिकायत करते हुए कहा कि एमपीआरडीसी की बनी हुयी नाली उनके घर के पास से हनी कुंभ की तरह है। इस नाली की घटिया गुणवत्ता के कारण उससे सीपेज होने से उनके घर में बने हुए दोनों कुंओं का पानी खराब हो गया है और घर में शीत का प्रकोप भी बना रहता है।

जनसुनवाई में बरसात को देखते हुए वार्डो में नाली की सफाई और नाली निर्माण की शिकायतें अधिक आई। कुछ नागरिकों ने अपने घरों के ऊपर से गुजरने वाले बिजली के तार व खंबे शिफ्टिंग की मॉग भी की। जिस पर विद्युत विभाग के संबंधित ठेकेदार को बुलाकर दिखवाने के निर्देश दिए गए।

6 दिन में जनगणना का कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण किया नरेन्द्र डोहरे ने

एसडीएम ने नरेन्द्र डोहरे को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। नगर व क्षेत्र में राष्ट्रीय जनगणना का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। इस कार्य में लगे हुए कर्मचारियों द्वारा तत्परता के साथ अपने कार्य को संपादित किया जा रहा है। यहीं नहीं जो कर्मचारी समय सीमा के भीतर अपने कार्यों को पूर्ण कर रहा है, उसे अधिकारियों द्वारा सम्मानित भी किया जा रहा है।

इसी कड़ी में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कायदी के विज्ञान सहायक शिक्षक नरेन्द्र कुमार डोहरे को एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल द्वारा सम्मानित किया गया। श्री डोहरे ने राष्ट्रीय जनगणना कार्य के तहत एच एल बी 0076 कायदी में 176 मकानों की जनगणना की गई, जिनमें 198 परिवार निवासी करते है। इन सबकी 100 प्रतिशत गणना मात्र 6 दिनों में श्री डोहरे द्वारा पूर्ण कर ली गई।

उनके इस कार्य से प्रभावित होकर एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने अपने कार्यालय में तहसीलदार वंदना कुसराम, नायब तहसीलदार सुरेश उपाध्याय की उपस्थिति में 100 प्रतिशत जनगणना कार्य पूर्ण करने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस जनगणना कार्य में श्री डोहरे का सहयोग सुपरवाईजर ओंमकार भलावी, आपरेटर राकेश देशमुख, अश्विनी रहांगडाले सहित अन्य कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग रहा।

खबर संक्षेप

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मुख्यमंत्री डा मोहन यादव एवं विभागीय मंत्री का आभार व्यक्त किया

सिवनी। सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री डा मोहन यादव एवं विभागीय मंत्री जी का आभार व्यक्त किया। भाजपा विधायक दिनेश राय मुनमुन ने आज मध्यप्रदेश केबीनेट की बैठक मे सिवनी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बंडोल समूह जल प्रदाय योजना के लिए पुनरीक्षित राशि 266.17 करोड़ प्रशासकीय स्वीकृत प्रदान करने के लिए प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डा मोहन यादव जी एवं विभागीय मंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया है। ज्ञातव्य हो कि पूर्व मे बंडोल समूह जल प्रदाय योजना के लिए 232.57 करोड़ की राशि स्वीकृत थी। वर्तमान मे स्वीकृत राशि से क्षेत्र के अन्य ग्रामों एवं बसाहटो को भी जल प्रदाय योजना का लाभ मिल सकेगा। जल जीवन मिशन की गाईडलाइन अनुसार ग्रामीण परिवारों को क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन जोडऩे के लिए जल वितरण नलिकाओं, किलियर वाटर, उच्चस्तरीय टंकियों एवं नल कनेक्शन के कार्यों मे बढ़ोत्तरी होने के लिए यह पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गयी है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय समिति गठित

सिवनी। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन हेतु जिला प्रशासन सिवनी द्वारा जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। गठित समिति में कलेक्टर सिवनी को अध्यक्ष तथा परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण सिवनी को सदस्य सचिव बनाया गया है। समिति में समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य पीजी कॉलेज सिवनी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती मुकेश डेहरिया एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती डाली अमित डागौर को सदस्य नामांकित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित मॉनिटरिंग एवं समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करें।

छपारा नगर केमिस्ट संघ ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

ऑनलाइन दवा बिक्री पर जताई चिंता

छपारा - ऑनलाइन दवा बिक्री और छोटे दवा व्यापारियों के संरक्षण की मांग को लेकर बुधवार को छपारा नगर के केमिस्ट एवं दवा विक्रेताओं ने एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की। इस दौरान नगर की अधिकांश दवा दुकानें बंद रहीं, बाद में केमिस्ट संघ के पदाधिकारियों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि इंटरनेट के माध्यम से बिना वैध चिकित्सीय परामर्श और फर्जी ई-प्रिसक्रिप्शन के जरिए दवाओं की बिक्री लगातार बढ़ रही है, जिससे जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। साथ ही अत्यधिक छूट (डीप डिस्काउंटिंग) और अनियंत्रित होम डिलीवरी के कारण छोटे लाइसेंसधारी केमिस्टों का व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। केमिस्ट संघ ने कहा कि ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स तथा मध्यप्रदेश केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के आह्वान

पर सिवनी जिले के समस्त केमिस्ट एवं दवा विक्रेताओं ने इस आंदोलन में भाग लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 एवं नियम 1945 में ऑनलाइन दवा बिक्री का स्पष्ट प्रावधान नहीं होने के बावजूद विभिन्न कंपनियां वर्षों से ऑनलाइन दवाओं का कारोबार कर रही हैं।ज्ञापन में आगे कहा गया कि वर्ष 2018 की अधिसूचना त्रस्क्र 817(श्व) तथा कोविड काल में जारी त्रस्क्र 220(श्व) को वापस लेने की मांग भी की गई। संघ का कहना है कि इन प्रावधानों का दुरुपयोग कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और क्विक कॉमर्स कंपनियां अनियंत्रित तरीके से दवाओं की होम डिलीवरी कर रही हैं,जो कि गलत है।केमिस्ट संघ ने प्रशासन से अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री पर तत्काल कठोर कार्रवाई करने, बिना सत्यापित ई-प्रिसक्रिप्शन के दवा बिक्री और होम डिलीवरी पर रोक लगाने तथा छोटे दवा व्यापारियों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। समस्त केमिस्ट्र के नेतृत्व में उक्त ज्ञापन छपारा तहसीलदार को सौंपा गया जिसमें गोपाल हारोड़े, रजनीश जैन,मनोज अग्रवाल, राकेश अग्रवाल,ठाकुर चक्रेश सिंह,रामू साहू,स्नेहिल चौरसिया,सूरज सोनी,ऋषभ चौहान,सौरभ राय,प्रदीप साहू,अभिषेक डेहरिया,विक्की सोनी,राजा विश्वकर्मा आदि ड्रग विक्रेता उपस्थित रहे।

हृदय विदारक घटना सुन दुख से विचलित हुआ पूरे देश का जैन समाज

रीवा में विराजमान पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की शिष्याएं पूज्य आर्यिका रत्न श्रुतमति एवं उपशममति माताजी की कार दुर्घटना में हुई उपसर्ग समाधि

सिवनी। जैन संस्कृति के इतिहास का वह काला दिवस जिस दिन इस सदी के महासंत आचार्य श्री विद्यासागरभी महाराज की दो सुशिष्याएँ पूज्य आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी एवं पूज्य आर्यिका उपशम मति माता जी का सडक़ दुघर्टना में अल्प आयु में देह परिवर्तन हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत माहो में सम्मेद शिखर आदि तीर्थों की वंदना कर वर्तमान में पूज्य आर्यिका सौम्यमति माताजी अपनी गुरू बहिनों के साथ रीवा नगर में विराजित थी। प्रातः कालीन सामायिक,भक्ति, पाठ,देव वंदना आदि से निवृत हो प्रातः 6:30 बजे पूज्य चारों आर्यिका माताजी शौच क्रिया हेतु पद बिहार कर रही थी कि अकस्मात रीवा कलेक्ट्रेट के समीप सामने से तेज रफ्तार से आती हुई ऑल्टो कार के चालक ने आर्यिकाओं के समूह को लक्ष्य बनाकर दुर्भावना पूर्वक सामने से जोरदार टक्कर मारी दुर्घटना की वारदात इतनी भीषण थी कि लहूलुहान अवस्था में पूज्य आर्यिका श्रुतमति माताजी की घटना स्थल पर ही उपसर्ग समाधि हो गई पूज्य माताजी के साथ चल रही आर्यिका उपशममति माताजी भी इस भिड़ंत से बच नहीं पाई और वे भी घटना स्थल पर गंभीर रूप से आहत हुई।उधर इस भीषण कांड को नजर अंदाज करता हुआ ऑल्टो कार चालक सभी को उनके हाल पर छोडक़र तेजी से गाड़ी भगा कर ले गया किंतु पुलिस प्रशासन की कड़ी मुस्तैदी से जबलपुर के पास वह गिरफ्तार हो ही गया। नागपुर में विराजित पूज्य आचार्य श्री समयसागर जी महाराज को जब इस घटना की जानकारी हुई तो उन्होंने अत्यंत गंभीर रूप से आहत पूज्य आर्यिका उपशम मति माताजी को वीडियो कॉल के माध्यम से अंतिम संबोधन प्रदान कर आशीर्वाद प्रदान किया। सांय 4 बजकर 20 मिनट पर पूज्य माताजी भी शांत परिणामों के साथ इस संसार से विदा हुई। उपसर्ग समाधि उपरांत दोपहर 2 बजे आर्यिका श्रुतमति माताजी जबकि सांय 5.30 बजे उपशममति माताजी की अंतिम यात्रा विमान नुमा पालकी में निकाली गई चिता स्थल पर उनकी पार्थिव देह को पद्मासन अवस्था में विराजित कर चंदन नारियल एवं कपूर की काष्ठ चिता पर अग्नि से भस्मीभूत की गई। रीवा सतना,कटनी,मैहर, जबलपुर सागरआदि क्षेत्रों से पूज्य समाधिस्थ आर्यिका द्वय के अंतिम दर्शनार्थ जनसैलाब उमड़ पड़ा। मूलतः पूज्य आर्यिका श्रुतमति माताजी गृहस्थ जीवन में सागर नगर में जन्मी इनके गृहस्य अवस्था के बड़े भाई मुनि श्री अचल सागर जी महाराज वर्तमान में तारादेही दमोह में विराजित है। जबकि पूज्य उपशम मति माताजी दक्षिण भारत के तमिलनाडु प्रांत से है। फरवरी 2006 में सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर में आचार्य श्री ने इन्हें आर्यिका दीक्षा प्रदान की थी। कोरोना के पहले लॉक डाउन में लगभग 2 माह तक ये दोनों आर्यिका माताजी पूज्य आर्यिका गुरुमति माताजी के साथ सिवनी में प्रवासरत रही है। बताया गया कि इस भीषण वारदात में पूज्य ज्येष्ठ आर्यिका सौम्यमति माताजी बाल बाल बच गई उनके साथ में चल रहे युवक ने उन्हें धक्का देकर एक और किया किंतु वह भी कार की चपेट में अपने पैर को फैक्चर होने न बचा पाया। समग्र जैन समाज में दिन प्रतिदिन बढ़ती ऐसी घटनाओं से आक्रोश व्याप्त है स्थान स्थान पर जैन समाज ने भारतीय संस्कृति के प्राण कहे जाने वाले साधु संतों की सुरक्षा की मांग के साथ शासन प्रशासन से गुहार लगाई है।

समर केम्प में खेल, योग और आर्ट क्राफ्ट में निखर रही प्रतिभा

बरघाट। नगर के पी एम श्री शास. कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित समर केम्प में खेल,संगीत, और आर्टक्राफ्ट में बच्चे उत्साह के साथ भाग ले रहे है। संस्था के नोडल खेल प्रभारी आशीष दीक्षित ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय के आदेशानुसार 1 मई से आयोजित समर कैंप में क्रिकेट के साथ साथ टेबिल टेनिस, कबड्डी,कराटे, बेडमिंटन ,आर्ट एंड क्राफ्ट,योगा, संगीत,डांस का प्रशिक्षण छात्र-छात्राओं को प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक दिया जा रहा है इस समर केम्प का बच्चे भी भरपूर लुफ्त उठा रहे है। इस समर कैंप में गत दिवस नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती ईमरता साहू एवम युवा व्यवसायी शशांक रानू जैन द्वारा बच्चों को टेस्टी बिस्किट प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।
समर केम्प में खेलो के अलावा विभिन्न गतिविधियों में विशेषज्ञों द्वारा रोचक तरीके से प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमे पेंटिंग में श्रीमती प्रीति राहंगडाले, आर्ट एंड क्राफ्ट में श्रीमती वीना मेश्राम,मेहंदी में श्रीमती ऋतु उईके, संगीत में अंकित गौतम, और योग में विलास चकोले,परसराम देशमुख, प्रतिभागियों को निखारने में लगे हुए है। संस्था के पी एम प्रभारी अनिल अवधवाल द्वारा बच्चो को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उक्त समर केम्प का समापन 1 जून को किया जावेगा।

ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर लगाए गए रेडियम वाहन चालकों को दी गई समझाइश

सिवनी, प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर के निर्देशानुसार परिवहन विभाग सिवनी द्वारा बुधवार को नागपुर रोड स्थित मरझोर रोड वेयरहाउस, गोपालगंज बायपास स्थित आभा एवं नंदन वेयरहाउस भोगाखेड़ा में खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रेडियम लगाए गए।इस दौरान ट्रैक्टर चालकों एवं वाहन स्वामियों को यातायात नियमों का पालन करने, वाहन का संचालन सावधानी एवं सतर्कता के साथ करने की समझाइश दी गई। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि सडक़ सुरक्षा एवं रात्रिकालीन दुर्घटनाओं की रोकथाम को ध्यान में रखते हुए वाहनों पर रेडियम लगाए जा रहे हैं

प्रभारी कलेक्टर ने हरहरपुर उपार्जन केन्द्र का किया औचक निरीक्षण

सिवनी। प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर ने बुधवार को कुरई विकासखण्ड अंतर्गत हरहरपुर उपार्जन केन्द्र का औचक निरीक्षण कर समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से चर्चा कर उपार्जन व्यवस्था, तौल, भुगतान एवं परिवहन संबंधी जानकारी प्राप्त की।प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने केन्द्र पर उपलब्ध बारदाना, तौल व्यवस्था, भंडारण एवं परिवहन कार्यों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा उपार्जित गेहूं का समय पर परिवहन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने केन्द्र पर साफ-सफाई एवं रिकॉर्ड संधारण व्यवस्थित रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्लॉट बुकिंग करा चुके किसानों से सुगम एवं व्यवस्थित रूप से उपार्जन सुनिश्चित कराने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े तथा निर्धारित स्लॉट के अनुसार त्वरित तौल एवं खरीदी कार्य किया जाए। प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने उपार्जित गेहूं का त्वरित रूप से उठाव कर सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि मौसम परिवर्तन एवं संभावित असमायिक बारिश को दृष्टिगत रखते हुए गेहूं की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से सुनिश्चित की जाएं तथा खरीदी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए।

पोषण जागरूकता बढ़ाने हेतु पोषण थाली प्रतियोगिता आयोजित

सिवनी। जिला कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशन में रैदास भवन स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में पोषण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पोषण थाली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 25 महिलाओं ने सहभागिता करते हुए संतुलित एवं पौष्टिक आहार से सजी आकर्षक पोषण थालियां प्रस्तुत कीं।

थालियों में हरी सब्जियां, दाल, सहजन की पत्तियां, सलाद, मौसमी फल, मोटे अनाज, दूध एवं दही सहित पोषणयुक्त खाद्य सामग्री को

शामिल किया गया।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवन के लिए पोषणयुक्त भोजन अपनाने का संदेश दिया गया। निर्णायक मंडल द्वारा थालियों का मूल्यांकन पौष्टिकता, सजावट एवं रचनात्मकता के आधार पर किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

युवा संगम कार्यक्रम अंतर्गत रोजगार मेले में 87 युवाओं का प्रारंभिक चयन

सिवनी। जिला कलेक्टर के निर्देशन में जिला प्रशासन, जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र तथा रामरमन प्राइवेट आईटीआई सिवनी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को युवा संगम कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया।रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की 09 कंपनियों ने भाग लिया। कुल 124 युवाओं ने पंजीयन कर सहभागिता की, जिनमें से 87 युवाओं का विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रारंभिक चयन किया गया। मेले में ट्रेनी, सहायक, कॉल सेंटर, फील्ड वर्कर, मशीन ऑपरेटर, पर्यवेक्षक एवं तकनीकी सहायक सहित विभिन्न पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया संपन्न हुई। अप्रेंटिसशिप के अंतर्गत आमधनी प्राइवेट

लिमिटेड गुजरात द्वारा 05 युवाओं का चयन किया गया, जबकि आरएसीटी सिवनी द्वारा 12 आवेदकों का प्रशिक्षण हेतु प्रारंभिक चयन किया गया। स्वरोजगार योजनाओं के तहत ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा 04 स्व-सहायता समूहों को 21 लाख रुपये के स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। वहीं मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत एक हितग्राही को 02 लाख रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिला रोजगार अधिकारी वी.के. सदाफल, सहायक प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बी.डी. डेहरिया, प्लेसमेंट ऑफिसर शासकीय आईटीआई संदीप सैनी तथा रामरमन प्राइवेट आईटीआई के प्राचार्य राजेश डेहरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गेहूं उपार्जन 2026-27: जिले में 3 लाख मीट्रिक टन से अधिक खरीदी

सिवनी। सिवनी जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत गेहूं उपार्जन कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। 20 मई 2026 की स्थिति में जिले में कुल 3 लाख 637 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। इस वर्ष 54 हजार 96 किसानों ने पंजीयन कराया है तथा जिले में 78 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से समर्थन मूल्य 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जा रही है। अब तक 44 हजार 281 स्लॉट किसानों द्वारा बुक किए गए, जिनमें से 35 हजार 498 किसानों ने गेहूं विक्रय किया है। कुल उपार्जित मात्रा में से 2 लाख 90 हजार 526 मीट्रिक टन गेहूं रेडी-टू-ट्रांसपोर्ट किया जा चुका है, जबकि 2 लाख 62 हजार 107 मीट्रिक टन गेहूं का परिवहन पूर्ण हो गया है। इसी प्रकार 2 लाख 53 हजार 591 मीट्रिक टन गेहूं की स्वीकृति प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। उपार्जित गेहूं की कुल राशि 777.15 करोड़ रुपये दर्ज की गई है। किसानों को भुगतान के लिए 2976 ईपीओ जनरेट किए गए, जिनमें से 2871 ईपीओ साइन हो चुके हैं। अब तक 471.83 करोड़ रुपये का सफल भुगतान किसानों के खातों में किया जा चुका है। जिला प्रशासन द्वारा उपार्जन, परिवहन, भंडारण एवं भुगतान संबंधी समस्त व्यवस्थाओं की सतत मॉनिटरिंग कर समयसीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

खरीफ फसलों की उन्नत तकनीक एवं पोषक तत्व प्रबंधन पर किसानों को दिया प्रशिक्षण

विश्व मधुमक्खी दिवस पर कृषि वैज्ञानिकों ने बताया परागण और उत्पादन में मधुमक्खियों का महत्व

सिवनी। किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र सिवनी के दर्पण सभागार में खरीफ फसलों की उन्नत तकनीक एवं पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक खेती, पोषक तत्व प्रबंधन तथा फसल उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी गई।कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शेखर सिंह बघेल ने किसानों को मिट्टी परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक उपयोग, नरवाई प्रबंधन, भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने तथा जैव विविधता संरक्षण के संबंध में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने मक्का, धान एवं सोयाबीन फसलों में पोषक तत्वों के समुचित प्रबंधन की जानकारी भी साझा की।कृषि वैज्ञानिक डॉ. निखिल सिंह ने मक्का, धान एवं सोयाबीन की उन्नत उत्पादन तकनीकों पर प्रशिक्षण देते हुए प्राकृतिक खेती में बीजामृत एवं घनजीवामृत के उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने मक्का की नवीन किस्मों जवाहर मेज-218, जेएम-89 एवं पूसा जवाहर हाइब्रिड मेज-1 की विशेषताओं से किसानों को अवगत कराया। साथ ही जैव उर्वरकों, बीज उपचार एवं रोग-कीट प्रबंधन के प्राकृतिक उपायों पर भी जानकारी दी गई।प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंजीनियर कुमार सोनी द्वारा नरवाई प्रबंधन तथा डॉ. के.पी.एस. सैनी द्वारा पशुपालन के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम में डीएस ग्रुप के संदीप शर्मा सहित कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा।इसी अवसर पर विश्व मधुमक्खी दिवस भी मनाया गया। डॉ. शेखर सिंह बघेल ने किसानों को बताया कि मधुमक्खियां कृषि एवं पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं तथा फसलों के परागण में उनकी बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन किसानों के लिए स्वरोजगार, अतिरिक्त आय एवं आत्मनिर्भरता का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

भीषण गर्मी से जनजीवन अस्त-व्यस्त, लू का प्रकोप जारी, सड़कें सूनी

गर्मी बरपा रही कहर: 43 डिग्री से पार पहुंचा तापमान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में गुरुवार को तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। सुबह 10 बजे जहां तापमान 40 डिग्री सेल्सियस था, वहीं दोपहर 3 बजे तक यह बढ़कर 43 डिग्री सेल्सियस हो गया।

मई की शुरुआत में मौसम में बदलाव देखा गया था, लेकिन अब बढ़ती गर्मी और गर्म हवाओं ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इससे लू और गर्मी से होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। गुरुवार का दिन जिले का सबसे गर्म दिन रहा। दोपहर के समय सड़कों पर लोगों की आवाजाही काफी कम हो गई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि जिले के तापमान में हर साल वृद्धि हो रही है।

इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी अभिषेक बरडिया ने बताया कि गर्मी इतनी अधिक है कि बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। गर्म हवाओं के कारण शरीर में चुभन महसूस होती है, जिससे बाहर निकलना और भी कठिन हो जाता है।

खैरलांजी से काम के सिलसिले में बालाघाट पहुंचे युवा देवीप्रसाद लिल्हारे ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि तेज गर्मी के कारण उन्हें और उनके दोस्त को रास्ते में पेड़ की छांव में रुक-रुक कर बालाघाट आना पड़ा। उन्होंने कहा कि दुपहिया वाहन से आने पर गर्मी का असर और भी ज्यादा महसूस हुआ।

ठेकेदार भुवन राहंगडाले ने जानकारी दी कि बालाघाट में प्रतिवर्ष तापमान बढ़ रहा है। उन्होंने

बताया कि आज का दिन सबसे गर्म रहा, जब जिले का तापमान 43 डिग्री तक पहुंच गया, जो प्रदेश के अन्य जिलों से अधिक है।

ट्रांसफार्मर खराब, शहरी क्षेत्र 4 घंटे ब्लैक आउट

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट शहर के प्रेमनगर और मोतीनगर क्षेत्रों में बुधवार रात चार घंटे तक बिजली गुल रही। रात 9 बजे से देर रात 1 बजे तक ब्लैकआउट के कारण निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यह स्थिति प्रेमनगर स्थित गायत्री मंदिर के पीछे लगे एक ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आने के कारण उत्पन्न हुई।

बिजली कंपनी को खराब हुए ट्रांसफार्मर को बदलना पड़ा, जिसमें लगभग तीन से चार घंटे का समय लगा। इस दौरान दोनों प्रमुख आवासीय क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बाधित रही। जिले में इन दिनों तापमान लगातार बढ़ रहा है। वर्तमान में बालाघाट का दिन का तापमान 42 डिग्री तक पहुंच गया है, जिससे रातें भी गर्म हो रही हैं। ऐसे में बिजली कटौती ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। अधिकारियों ने ट्रांसफार्मर जलने और खराब होने का कारण बढ़ती गर्मी और बिजली के बढ़ते लोड को बताया है। शहर यंत्री उइके ने जानकारी दी कि अत्यधिक गर्मी के कारण बिजली के तार और अन्य उपकरण खराब हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि घरों में एयर कंडीशनर (एसी) के बढ़ते उपयोग से ट्रांसफार्मर पर लोड बढ़ रहा है। उइके ने एसी चलाने वाले उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे एसी को लगातार चलाने के बजाय बीच-बीच में कुछ देर के लिए बंद कर दें। इससे ट्रांसफार्मर पर पड़ने वाला बिजली का लोड कम होगा और ट्रांसफार्मर के खराब होने या जलने जैसी स्थितियों से बचा जा सकेगा।

किसानों ने शासन प्रशासन से पीपलगांव से जुनेवानी पाडन (सड़क/मार्ग) बनाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज किरनापुर।

जनपद पंचायत किरनापुर के अंतर्गत पीपलगांव से जुनेवानी (पाडन) मार्ग को पक्का बनाने के लिए किसानों ने प्रशासन से गुहार लगाई है। पक्की सड़क या रास्ता न होने के कारण किसानों को अपने खेतों में जाने, ट्रैक्टर-ट्रॉली निकालने और फसल लाने-ले जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ट्रैक्टर या बैलगाड़ी जैसे कृषि वाहन खेतों तक नहीं पहुँच पाते, जिससे खाद, बीज और उपज को सिर या अन्य साधनों से ढोना पड़ता है। खराब रास्ते के कारण आवागमन में अधिक समय और मेहनत लगती है, जिससे खेती की लागत बढ़ जाती है।

बारिश के मौसम में कच्चा रास्ता कीचड़ में बदल जाता है, जिससे खेतों में प्रवेश करना लगभग असंभव हो जाता है।

किसान मुकाराम खेरे ने बताया यह पाडन सड़क पीपलगांव से जुनेवानी को जोड़ती है जिस सड़क के दोनों तरफ 100 किसानों की खेती है। पाडन सड़क पर पानी रहने के कारण आवाजाही में परेशानी होती है।

संतोषदरवरे ने बताया कि पाडन सड़क की समस्या है जहां हमेशा पानी भरा रहता है आने जाने में परेशानी होती है।

राजकुमार उदयखेड़े ने बताया कि पानी सड़क पर पर रहने से किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है इसकी शिकायत सरपंच व विधायक महोदय को की है पर कोई इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही महिला ने पार्टनर पर धर्मांतरण का दबाव बनाने और धोखा देने का लगाया आरोप, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में 10 साल से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही एक महिला ने अपने पार्टनर पर धर्मांतरण का दबाव बनाने और धोखा देने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी साजिद खान को गिरफ्तार कर लिया है। उसे गुरुवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

यह पूरा मामला कटंगी थाना क्षेत्र का है। पीड़ित महिला एक विधवा है, जो पिछले 10 वर्षों से आरोपी साजिद खान के साथ लिव-इन में रह रही थी। महिला के अनुसार, साजिद उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा था।

जब महिला ने धर्मांतरण से इनकार कर दिया, तो आरोपी ने किसी अन्य युवती के साथ संबंध बनाना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे आरोपी विधवा महिला से दूर होने लगा। इसके बाद महिला ने 20 मई को महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई।

महिला थाना पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएसएस) और मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया। मामले की विवेचना कर रही उपनिरीक्षक किरण वरकडे ने बताया कि शिकायत के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को घटनास्थल पर ले जाकर तस्दीक की गई और फिर न्यायालय में पेश किया गया। मामले की जांच जारी है।

डाकघरों में 25 एवं 26 मई को चलेगा विशेष आधार पंजीयन एवं अपडेशन अभियान

बालाघाट संभाग के सभी आधार केन्द्र सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक रहेंगे संचालित

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। भारतीय डाक विभाग के अधीक्षक डाकघर कार्यालय, बालाघाट संभाग द्वारा जिलेवासियों की सुविधा के लिए 25 एवं 26 मई 2026 को विशेष आधार पंजीयन एवं अपडेशन अभियान आयोजित किया जा रहा है। अभियान के तहत बालाघाट संभाग के डाकघरों में संचालित आधार सेवा केन्द्रों पर नवीन आधार पंजीयन, आधार कार्ड में सुधार, बायोमेट्रिक अपडेशन, मोबाइल नंबर एवं ईमेल लिंकिंग सहित विभिन्न सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

अभियान के लिए 22 एवं 23 मई 2026 को टोकन वितरण किया जाएगा। विशेष अभियान के दौरान सभी आधार सेवा केन्द्र प्रातः 8:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक संचालित रहेंगे। डाक विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने निकटतम डाकघर आधार केन्द्र पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाएं। बालाघाट संभाग अंतर्गत बालाघाट जिले के बालाघाट प्रधान डाकघर सहित भरवेली, मलाजखंड, लालबर्रा, उकवा, रामपायली, बैहर, लांजी, किरनापुर, तिरोड़ी एवं कटंगी उपडाकघरों में यह अभियान संचालित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए नागरिक अधीक्षक डाकघर कार्यालय, बालाघाट संभाग, बालाघाट-481001 से संपर्क कर सकते हैं। विभाग द्वारा दूरभाष नंबर 07632-247574 भी जारी किया गया है।

एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेचने पर दो मदिरा दुकानों पर कार्रवाई

मोहगांव (धपेरा) और टेडवा की कम्पोजिट मदिरा दुकानों पर 02.10 लाख रुपये का जुर्माना

बालाघाट। जिले में निर्धारित अधिकतम विक्रय मूल्य एमआरपी से अधिक कीमत पर मदिरा विक्रय करने के मामलों में आबकारी विभाग द्वारा सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। मोहगांव (धपेरा) एवं टेडवा स्थित कम्पोजिट मदिरा दुकानों पर अनियमितता पाए जाने के बाद संबंधित लायसेंसियों पर 02 लाख 10 हजार 834 रुपए का आर्थिक दंड अधिरोपित कर प्रकरणों का शमन किया गया है।

जिला आबकारी अधिकारी श्री अजीत एक्का ने बताया कि आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त वारासिवनी द्वारा 5 मई 2026 को कम्पोजिट मदिरा दुकान मोहगांव (धपेरा) में आकस्मिक टेस्ट परचेस एवं निरीक्षण की कार्रवाई की गई। जांच के दौरान विदेशी मदिरा स्ट्रांग बीयर (650 एमएल) निर्धारित MRP 230 रुपये के स्थान पर 250 रुपये में विक्रय करते हुए पाई गई। इस प्रकार शराब की बोतल पर निर्धारित मूल्य से 20 रुपये अधिक वसूले जाने की पुष्टि हुई। इस प्रकरण में संबंधित लायसेंसी देवेन्द्र कुमार ठाकरे को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था, लेकिन निर्धारित समयावधि में कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद प्रथम अपराध मानते हुए नियमानुसार एक दिवस की न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी राशि के समतुल्य 61 हजार 912 रुपये तथा अनुज्ञप्ति शर्तों के उल्लंघन पर अतिरिक्त 10 हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई। इसी प्रकार आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त लांजी द्वारा 2 मई 2026 को कम्पोजिट मदिरा दुकान टेडवा में टेस्ट परचेस कार्रवाई के दौरान रॉयल स्टेग व्हिस्की पाव (180 एमएल) निर्धारित MRP 260 रुपये के स्थान पर 280 रुपये में बेची जाती पाई गई। मामले में संबंधित लाइसेंसी जयश्री बालाजी एसोसिएट को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, किंतु समय सीमा में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया। नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित दुकान पर 1 लाख 28 हजार 922 रुपये की शास्ति तथा अनुज्ञप्ति शर्तों के उल्लंघन पर अतिरिक्त 10 हजार रुपये का आर्थिक दंड अधिरोपित किया गया। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित MRP से अधिक मूल्य पर मदिरा विक्रय करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत ग्राम पंचायतों में निकाली गई कृषि रथ यात्रा

बालाघाट। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत किसानों को आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों की जानकारी देने के उद्देश्य से 20 मई को ग्राम पंचायत बिटोड़ी, नवेगांव-3, कोथुरना एवं पिपरिया में कृषि रथ यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने सहभागिता कर कृषि विभाग एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं एवं तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि कृषि रथ यात्रा के दौरान किसानों को कृषि विभाग द्वारा ई-टोकन प्रणाली, डीएसआर तकनीक, पराली प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, जैविक खेती, फसल विविधीकरण, मिट्टी परीक्षण एवं हरी खाद के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को उच्च गुणवत्ता एवं प्रमाणित शासकीय बीजों के चयन एवं उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान को सांसद भारती पारधी ने किया साकार

ई-रिक्शा से कलेक्ट्रेट पहुंचकर दिया पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत का संदेश

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। देश में बढ़ती पेट्रोल-डीजल की खपत और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन की बचत करने और वैकल्पिक साधनों को अपनाने का आह्वान किया गया था। प्रधानमंत्री के इसी संदेश को व्यवहारिक रूप देते हुए बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद भारती पारधी 21 मई गुरुवार को ई-रिक्शा से कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचीं।

सांसद श्रीमती भारती पारधी जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक में शामिल होने के लिए ई-रिक्शा से पहुंचीं। उनकी यह पहल न केवल पेट्रोल-डीजल की बचत का संदेश देती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक बनी। सांसद श्रीमती पारधी ने कहा कि वर्तमान समय में ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा दोनों ही देशहित के महत्वपूर्ण विषय हैं। यदि नागरिक आवश्यकता अनुसार ही पेट्रोल-डीजल का उपयोग करें और वैकल्पिक परिवहन साधनों को अपनाएं, तो इससे न केवल ईंधन की बचत होगी बल्कि प्रदूषण नियंत्रण में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए संदेश को केवल सुनना ही नहीं, बल्कि उसे अपने जीवन में उतारना भी जरूरी है। ई-वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है और यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सांसद श्रीमती पारधी ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक अनावश्यक रूप से पेट्रोल-डीजल का उपयोग करने से बचें तथा जहां संभव हो, सार्वजनिक परिवहन एवं ई-वाहनों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास मिलकर देशहित में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

मेधावी मुस्लिम छात्र-छात्राओं के सम्मान हेतु 16 अगस्त को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

मुस्लिम एजुकेशनल एंड कल्चरल सोसायटी, बालाघाट (मध्य प्रदेश) द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिले के मेधावी मुस्लिम छात्र-छात्राओं की हौसला अफजाई के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। सोसायटी के तत्वावधान में यह प्रतिभा सम्मान समारोह दिनांक 16 अगस्त 2026, दिन रविवार को दोपहर 2:00 बजे से अंजुमन शादी हाल, बालाघाट में आयोजित होगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है, जिन्होंने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। सोसायटी द्वारा ऐसे सभी छात्र-छात्राओं को मंच पर सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की जाएगी, जिससे अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिल सके।

सोसायटी के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक एवं पात्र छात्र-छात्राएं अपना आवेदन फॉर्म 15 जुलाई 2026 को शाम 5:00 बजे तक जमा कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इस अवसर का लाभ उठा सकें।

आवेदन फॉर्म प्राप्त करने एवं जमा करने के लिए सोसायटी के सदस्यों से संपर्क किया जा सकता है। इसके लिए आदिल खान (मो. 9425139270), सोहेल एजाज (मो. 9425875479), मोहम्मद आसिफ शेख (मो. 9424968844), मोहम्मद रियाज गनी (मो. 7974669352), सोनू भाई (मो. 8770233250) तथा आसिफ राइन (पप्पू भाई) (मो. 9893381701) से संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

सोसायटी ने जिले के सभी योग्य छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे समय सीमा के भीतर आवेदन कर इस सम्मान समारोह का हिस्सा बनें और अपनी उपलब्धियों को साझा करें। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य करेगा, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल भी तैयार करेगा।

बालाघाट जिला महिला कांग्रेस की नई प्रभारी बनीं मंजू मिश्रा, संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी ने बालाघाट जिले में महिला कांग्रेस संगठन को नया स्वरूप देने और उसे अधिक सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री श्रीमती मंजू मिश्रा को जिला महिला कांग्रेस प्रभारी नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति को संगठन में नई ऊर्जा और मजबूती के रूप में देखा जा रहा है। यह नियुक्ति मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी आदेश के माध्यम से की गई है।

जानकारी के अनुसार, सिहोरा (जबलपुर) निवासी मंजू मिश्रा लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं और महिला कांग्रेस के विभिन्न कार्यक्रमों एवं जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर कार्य करती रही हैं। संगठनात्मक अनुभव और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें बालाघाट जिले की जिम्मेदारी सौंपी है।

महिला कांग्रेस संगठन में लंबे समय से नई सक्रियता और समन्वय की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। ऐसे में मंजू मिश्रा की नियुक्ति को संगठन को पुनर्गठित करने और महिला कार्यकर्ताओं को एक मंच पर लाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि उनकी जिम्मेदारी के बाद जिले में महिला कांग्रेस की गतिविधियों में तेजी आएगी और संगठनात्मक ढांचे को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।

नियुक्ति के बाद श्रीमती मंजू मिश्रा ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व के

प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जो विश्वास उनके ऊपर जताया है, उस पर वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि बालाघाट जिले में महिला कांग्रेस को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता होगी और सभी वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर संगठन को मजबूती प्रदान की जाएगी।

उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि जिले में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय करने तथा कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जाएगा। साथ ही महिला कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे।

राजनीतिक हलकों में मंजू मिश्रा की नियुक्ति को आगामी समय में महिला कांग्रेस के संगठनात्मक विस्तार के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके नेतृत्व और रणनीति से बालाघाट महिला कांग्रेस को कितना नया स्वरूप और मजबूती मिल पाती है।

खरीफ सीजन में डीएसआर तकनीक को बढ़ावा देने जिला स्तरीय प्रशिक्षण एवं समीक्षा बैठक आयोजित

बालाघाट। खरीफ मौसम में जल संरक्षण आधारित टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने और धान उत्पादन में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बालाघाट में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) तकनीक पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपसंचालक कृषि श्री फूल सिंह मालवीय ने की। बैठक में WRI India की शोधकर्ता सुश्री नूपुर कुलकर्णी एवं शिवांगी अरविंद ने सहभागिता करते हुए डीएसआर तकनीक की उपयोगिता, लाभ एवं जमीनी स्तर पर इसके प्रभावी क्रियान्वयन की रणनीतियों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में आत्मा बालाघाट, कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. धूवारे एवं डॉ. उत्तम बिसेन सहित जिले के सभी विकासखंडों के डीएसआर नोडल अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रवेश प्रारंभ
Approved by AICTE, New Delhi, Affiliated to RGPV Bhopal & OTE MP
सतपुड़ा इंजीनियरिंग कॉलेज
B.Tech. 4 Year Degree 12th Mats Pass
Polytechnic 3 Year Diploma 10th Pass
कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
माईनिंग इलेक्ट्रिकल
सिविल मैकेनिकल
JOB SAHI
सतपुड़ा कैम्पस, लाल रोड, मांझापुर बालाघाट (म.प्र.)
9425836824, 62625604111 Web: www.satpudaengineeringcollege.com